क्षेत्रीय समाचार

गुरुवार 17.05.2012 देहरादून (उत्तराखण्ड) 1830–1840

मुख्य समाचारः–

- प्रदेश में बन्द पड़ी व्यासी–लखवाड़ जल विद्युत परियोजना का कार्य तीन वर्ष में पूरा किया जायेगा।
- वित्त मंत्री ने अधिकारियों को निर्धारित किये गये करों की शत–प्रतिशत वसूली कराने को कहा।
- कनाडा के उच्चायुक्त ने प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, पर्यटन आदि क्षेत्रों में पूंजी निवेश करने की इच्छा जाहिर की।
- अल्मोड़ा की जिला योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में छप्पन करोड़ सात लाख रुपए अनुमोदित किए गए।

व्यासी–लखवाड़ जल विद्युत परियोजना

उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम के अध्यक्ष सुभाष कुमार ने कहा है कि बन्द पड़ी व्यासी–लखवाड़ जल विद्युत परियोजना का कार्य तीन वर्ष में पूरा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिये जल विद्युत निगम को माह दिसम्बर 2015 तक कार्य को पूरा करने को कहा गया है। लखवाड़–व्यासी बंद पड़ी जल विद्युत परियोजनाओं को जल विद्युत निगम को हास्तान्तरित करने हेतु देहरादून में आयोजित जल विद्युत निगम, वन विभाग, सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने 868 हैक्टेयर वन भूमि को जल विद्युत निगम को हास्तान्तरित करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी चकराता, कालसी और मसूरी को निर्देश दिये हैं कि जल विद्युत निगम को 868 हैक्टेयर वन भूमि हास्तान्तरित की जानी है इसके लिये सभी आवश्यक विवरण उपलब्ध कराएं।

वित्त मंत्री

वित्त मंत्री डॉ. इन्दिरा हृदयेश ने अधिकारियों को आम जनता के ऊपर नये कर थोपने के बजाय, जो कर निर्धारित किये गये हैं, उनकी शत–प्रतिशत वसूली कराने को कहा है। देहरादून में आयोजित बैठक में उन्होंने अधिकारियों को कर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कोर्ट में लम्बित मामलों का त्वरित निस्तारण कराने हेतु निरंतर पैरवी कराने और विभागों से सामंजस्य स्थापित कर करों की वसूली सुनिश्चित कराने को कहा है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का राजस्व बढ़ाने में सहयोग करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को महत्वपूर्ण पदों पर तैनात किया जायेगा, जबकि अपेक्षा के अनुरूप कार्य न करने वाले अधिकारियों की तैनाती के सम्बन्ध में कठोरता के साथ विचार किया जायेगा। डा. हृदयेश ने समस्त अधिकारियों को उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों की रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिये।

पर्यटन मंत्री

पर्यटन मंत्री अमृता रावत ने आवंटित बजट का उपयोग यथासमय करने तथा बजट खर्च न होने की शिकायत की पुर्नावृत्ति न करने को कहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय सचिवों और प्रमुख सचिवों को अपने अपने विभाग की कार्य संस्कृति में व्यापक सुधार लाना होगा और जन समस्याओं से जुड़े मुद्दों के निस्तारण में तत्परता से कार्यवाही करनी होगी। श्रीमती रावत ने विभागीय सचिवों को निर्देश दिए कि स्वीकृत योजनाओं के निर्माण में गति लाने के लिए ठोस प्रयास किए जाए और अनुबंध की शर्तों में इन सब बातों का समावेश किया जाए, ताकि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के साथ साथ निर्धारित समय सीमा के अन्दर स्वीकृत योजनाओं का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।

मुलाकात

भारत में कनाडा के उच्चायुक्त स्टेवर्ट बेक ने देहरादून में मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा से मुलाकात कर प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, पर्यटन आदि क्षेत्रों में पूंजी निवेश करने की इच्छा जाहिर की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में निवेश की असीम संभावनाएं है और यहां कनाड़ा किन–किन क्षेत्रों में निवेश कर सकता है, उसके लिए राज्य सरकार द्वारा वरिश्ठ अधिकारियों का एक वर्किंग ग्रुप बनाया जायेगा। श्री बेक ने कहा कि आईस हॉकी का खेल कनाडा में प्रचलित है, इसके लिए उत्तराखण्ड में प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी। उन्होने शहरी विकास और पर्यटन के क्षेत्र में भी निवेश करने की रूचि दिखाई और मुख्यमंत्री से एडवेंचर स्पोर्टस एकेडमी की स्थापना में भी कनाडा द्वारा सहयोग करने की बात कही।

जिला योजना–समीक्षा

अल्मोड़ा की जिला योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्श में छप्पन करोड़ सात लाख रुपए अनुमोदित किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए अल्मोड़ा के जिलाधिकारी अक्षत गुप्ता ने अधिकारियों को पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने की हिदायत दी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जिन विभागों ने विगत वर्शों की बची धन राशि को अभी तक व्यय नहीं किया है वे आगामी पन्द्रह जून तक इसे अवश्य खर्च कर लें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के निर्माण में अनावश्यक विलम्ब और धनराशि को समय से न खर्च कर पाने के कारण जनता को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए और इसकी समय–समय पर जॉच भी तीसरी एजेन्सी से करवाई जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने राज्य, केन्द्र व बाह्य सहायतित योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने बीस सूत्री कार्यक्रम में तेजी लाने के निर्देश भी सम्बन्धित विभागों को दिये।

प्रस्ताव

बारहवीं पंचवर्षीय योजना में कुमाऊं विश्वविद्यालय में चालीस नए कोर्स शुरु करने तथा बीपीएल छात्रों को फैलोशिप देने का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना व गांधी अध्ययन केंद्र को अपग्रेड करने का प्रस्ताव भी नई कार्य योजना में शामिल है। नैनीताल में आयोजित बैठक में शामिल प्रस्तावों पर गहन मंथन करते हुए कमियों को दूर किया गया। इस अवसर पर कुलपति बीपीएस अरोड़ा ने कहा कि नई पंचवर्षीय योजना में शामिल प्रस्तावों के कियान्वयन से कुमाऊं में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम खुलेंगे। कुलपति ने कहा कि यूजीसी को करीब डेढ़ करोड़ रुपए के प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं। इस अवसर पर कार्ययोजना कमेटी के प्रमुख प्रो0 एचएस धामी ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्राध्यापकों के व्याख्यान कराने का सुझाव दिया।

सफाई अभियान

नैनीताल में इन दिनों चल रहे सफाई अभियान को देखते हुए कुमाऊं की मण्डलायुक्त हेमलता ढौंढियाल ने कहा कि स्कूली बच्चे इस अभियान से जुड़ रहे हैं, यह एक अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि अभियान में जिलाधिकारी ने भी सकिय भागीदारी निभाई है। श्रीमती ढौंढियाल ने विद्यालयों, समाज सेवियों और संगठनों से क्षेत्र के लोगों को जागरुक करने का आह्वान करते हुए कहा कि अगर हम सभी लोग इस भावना से जुड़कर कार्य करते रहेंगे, तो निःसंदेह नैनीताल हरियाली और सफाई के क्षेत्र में एक मिसाल के तौर पर जाना जाएगा। डीआईजी दीपक ज्योति घिल्डियाल ने कहा कि इस अभियान में पुलिस प्रशासन द्वारा जो भी सहयोग की आवश्यकता होगी वह पूरी की जाएगी।

रुद्रनाथ

रुद्रप्रयाग में पांच केदारों में से एक केदार भगवान रुद्रनाथ के कपाट विधि विधान और पूजा अर्चना के साथ कल प्रातः पांच बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। भगवान रुद्रनाथ की डोली आज पनार होते हुए रुद्रप्रयाग पहुंच गई है। बीते दिन यह डोली गोपेश्वर से पनार पहुंची थी, जहां भारी असुविधाओं को झेलते हुए श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर बर्फ में चलकर रास्ता पार करना पड़ा।

कांग्रेस

पिथौरागढ़ के धारचूला विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक हरीश धामी ने अपनी ही सरकार के खिलाफ पुनः मोर्चा खोल दिया है। श्री धामी अपने विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अपनी ही सरकार के खिलाफ बयानबाजी करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि धारचूला में मृग विहार संबंधी समस्या मुख्य रुप से है, जिससे सारा विकास कार्य बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि इस क्षेत्र को मृग विहार क्षेत्र की श्रेणी से नहीं हटाया गया तो वे अपनी सरकार के खिलाफ जनता को साथ लेकर सड़कों पर उतर आएंगे तथा कांग्रेस और विधायक के पद से त्यागपत्र दे देंगे।

पेयजल

चम्पावत जिले में गर्मी बढ़ने के साथ ही पेयजल की किल्लत शुरु हो गई। जिला मुख्यालय सहित लोहाघाट, पाटी और बाराकोट विकासखण्डों में पेयजल की समस्या गहराने लगी है। उधर, जल संस्थान द्वारा टैंकरों की मदद से पेयजल की सप्लाई की जा रही है। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता पीसी करगेती के अनुसार जिले के स्रोतों में पचास प्रतिशत से अधिक स्तर तक पानी कम हो गया है, जिस कारण पेयजल संकट बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों में प्रतिदिन पानी की आपूर्ति जल स्रोतों से होती थी, अब उन्हें संरक्षित कर एक दिन छोड़कर पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि पेयजल की व्यवस्था सुचारु बनी रहे। उन्होंने बताया कि जल संस्थान द्वारा लगे हैण्डपम्पों का निरीक्षण किया जा रहा है तथा खराब हैण्डपम्पों को ठीक किया जा रहा है। उधर, पिथौरागढ़ में बिजली, पानी तथा घरेलू गैस की आपूर्ति लगातार बाधित होने से सामान्य जन जीवन प्रभावित हुआ है। शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आए दिन धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हैं।

शराब बन्दी

शराब बन्दी को लेकर गोपेश्वर में महिलाओं द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। विभिन्न गांवों से आई महिलाओं ने गोपेश्वर पहुंचकर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी से अवैध रूप से बन रही कच्ची शराब पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग की। इस अवसर पर महिलाओं ने कहा कि कई जगहों पर अंग्रेजी शराब की दुकानों को मुख्य यात्रा मार्ग पर खोल दिया गया है। उन्होंने मांग की कि इन दुकानों को तत्काल यात्रा मार्ग से हटाया जाना चाहिए। महिलाओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही अवैध शराब पर अंकुश नहीं लगाया गया तो वे उग्र आन्दोलन छेड़ेंगी।

मौसम

आज देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंहर नगर में दिनभर धूल भरी आंधी चलती रही, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। हवाओं में धूल के कणों के उड़ने से लोगों का आना जाना प्रभावित रहा। हरिद्वार में तेज आंधी चलने से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। मौसम विभाग के निदेशक आनन्द शर्मा ने बताया कि मौसम में आए अचानक बदलाव के कारण लोगों को श्वास संबंधी दिक्कते हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान में मौसम में बदलाव आने के कारण प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में धूल भरी आंधी चली हैं।